सं० ग्रो० वि०/गृड़गांव/205-87/36631.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० ज्वाला टैक्सटाईल मिरुज, दिल्तो गुडंगांव रोड, गुड़ांव, के श्रीमिक श्रो उपेन्द्र सिंह, पुत्र श्री तेज सिंह मार्फत प्रवात मर्जनटाईल इम्पलाईज, एमोसिएगन, एच-347, न्यु राजेन्द्र नगर, मई दिल्ली तया प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रोद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिये, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा 7—क के श्रधीन गठित श्रौद्योगिक श्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं श्रयवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं न्याय निर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री उपेन्द्र सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० स्रो०वि०/गुडगाव/34-87/36638.— चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै० इण्डियन रैंडकास सोसाईटी, डिस्ट्रिक्ट बाव, गुडगांव, के श्रमिक श्रोमनो ठाकर बाई विश्ववा श्रो भोजा राम गांव व डा० दौलताबाद, तह० व जिला गुड़गांव तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई सौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायर्निर्णय हेत् निर्दिष्ट करना वांछिनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रंब, ग्रोबोगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुवे हरियाणा के राज्यगल इस के द्वारा उक्त ग्रीधिनियम की धारा 7-क के ग्रधीन गठित ग्रीखोगिक ग्रीधकरण हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रवन्यकों तया श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं श्रयवा विवाद से मुसंगत या संबंन्त्रित मामला/मामले हैं न्याय निर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री मतीठाकर बाई की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत की हकदार है?

सं० ओ० वि०/एफ०डी०/गृहमांव/83-87/36648 — चूंकि हिरागा है राजात हो राये है कि मै० मुख्य प्रशासक हरियाणा स्टेंट एमोक त्वर मार्किटिंग बोर्ड पंत्रहुता, के श्रीमिक ओ आगोक कुनार, पुत्र श्री प्रेम लाल, मकान नं० 134, वार्ड नं० 13, गोहाना मण्डी, जिजा सोनीक्ष्त तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामने के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

ृष्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (य) द्वारा प्रवान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यनाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादयक्त मामला/मामले हैं ज्यावा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:--

क्या श्री श्रशोक कुमार की सेवाओं का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का इकदार है ?

· श्रार॰ एस० अग्नवाल,

उप-सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम विभाग ।